

काँग्रेस

वर्ष 11 अंक 4

दिसंबर, 2008

# संदेश

राष्ट्र की आवाज

काँग्रेस की बढ़त के साथ  
विदा हुआ साल



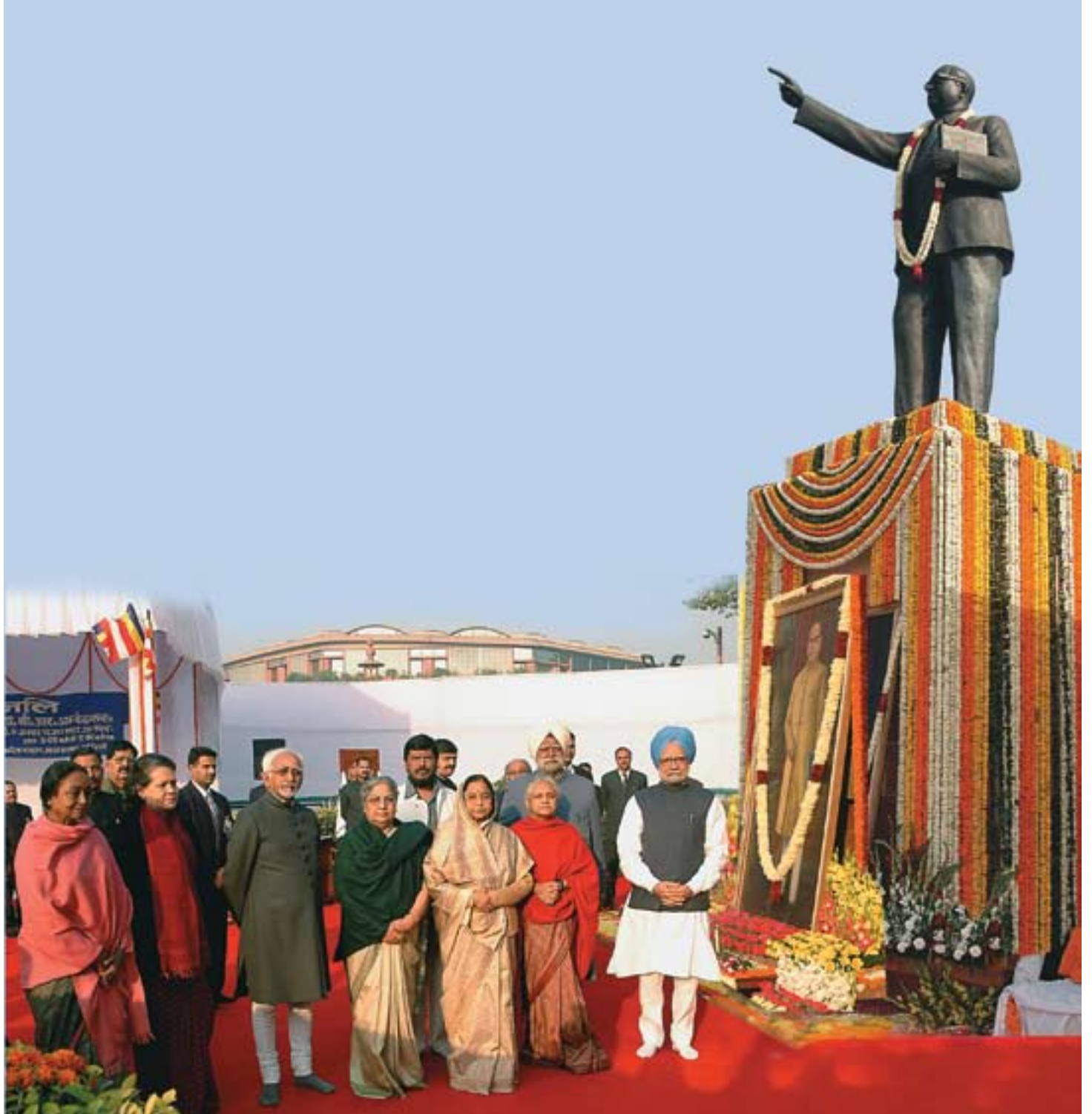
विधानसभा चुनावों में काँग्रेस को फायदा



निर्दोषों पर  
बर्बर हमला

# संविधान निर्माता तथा आजाद भारत के प्रथम कानून मंत्री

भारत रत्न बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर को उनकी पुण्यतिथि, 6 दिसंबर, के मौके पर  
राष्ट्र की श्रद्धांजलि



## रुस के राष्ट्रपति का दौरा



यूपीए चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी ने 5 दिसंबर, 2008 को नयी दिल्ली में रुस के राष्ट्रपति श्री दिमित्री मेदवेदेव से भेंट की।



प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह तथा रुस के राष्ट्रपति श्री दिमित्री ए. मेदवेदेव के साथ 5 दिसंबर, 2008 को नयी दिल्ली में हस्ताक्षरित संयुक्त घोषणापत्र का आदान-प्रदान करते हुए।

RNI Regd.No. 69366/98

DL(C)-01/1126/2006-08

Date of posting: 28-29 December

## श्रीमती सोनिया गांधी का संदेश

पार्टी के सहयोगियों और कांग्रेसजन की तरफ से 9 दिसम्बर को अपने जन्म दिन के मौके पर मिले गर्मजोशी और स्नेह से भरे शुभकामना संदेशों ने मेरे मन को भीतर तक छुआ है। हर एक शुभकामना संदेश ने मुझे खुशी दी और मैं उनके लिए आप सब की कृतज्ञ हूँ।

इस साल मेरा जन्म दिन ऐसे वक़्त आया, जब पूरा देश स्तब्ध है, दुःखी है और मुंबई पर हुए आतंकवादी हमले में मारे गए बेगुनाहों की मौत से ग़मजदा है। लेकिन मुंबई पर छापे उस अंधकार भरे त्रासद समय के दौरान हमारे सुरक्षा बलों, अग्निशामक दलों, अस्पताल और होटल कर्मचारियों तथा आम नागरिकों की बहादुरी, मानवता और कुर्बानी की अनगिनत किरणें भी रोशन हो रही थीं। यह भारत के अपराजेय जज़्बे का प्रतीक है।

आतंकवादी हमले की त्रासदी का राजनीतिक फ़ायदा लेने की कोशिशों को पूरी तरह नकार कर इसी उदात्त भावना का हार्दिक प्रदर्शन हमारे मतदाताओं ने भी किया।

आपका सहयोग और शुभकामनाएं मुझे राहत और शक्ति देती हैं। इनसे मेरी यह दृढ़ प्रतिज्ञा हमेशा और मज़बूत होती है कि हम धर्मनिरपेक्षता और समानता के लिए प्रतिबद्ध लोकतांत्रिक देश के नाते किसी भी घटना या व्यक्ति को अपनी प्रगति और विकास में बाधक बनने, देश और समाज की एकजुटता को चोट पहुंचाने और विभिन्न समुदायों को आपस में बांट देने की इज़ाजत कभी किसी को नहीं देंगे। शांति और अहिंसा हमारी संस्कृति की बुनियाद हैं, लेकिन इसे कोई हमारी कमजोरी समझने की ग़लती न करे। किसी को भी इस बारे में कोई शंका नहीं रहनी चाहिए कि आतंक, नफ़रत और हिंसा को बढ़ावा देने वाली शक्तियों से अपने देश की, अपने लोगों की और अपने सिद्धांतों की पूरी तरह रक्षा करने की ताक़त भी हमारे पास है और उसके लिए ज़रूरी संसाधन भी।

हमारी प्रिय नेता  
सोनिया गांधी  
के जन्म दिन  
9 दिसम्बर  
पर हार्दिक  
शुभकामनाएं

